Roll No. ..... Total Pages: 04

5173-A

M.A. (FINAL) EXAMINATION, 2019

SANSKRIT

Paper – III

NATAK AVAM NATYA SHASTRA

Time: Three Hours
Maximum Marks: 100

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 20]*

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 50]*

Answer five questions (250 words each).

Selecting one from each unit. All questions carry equal marks.

*प्रत्येक इकाई से **एक–एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्न कीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – C (खण्ड – स) *[Marks: 30]*

Answer any two questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

*कोई **दो प्रश्न** कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।*

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड – अ

प्र.1 निम्नलिखित सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। उत्तर संक्षिप्त में दीजिए–

(1) उत्तररामचरितम् के तृतीय अंक का क्या नाम है? इसके नामकरण को समझाइये।

(2) 'पुटपाकप्रतीकाशो रामस्य करुणो रसः' पंक्ति किसकी है? पुटपाक शब्द को समझाइये।

(3) उत्तररामचरितम् में कुमारप्रत्यभिज्ञान किस अंक का नाम है?

(4) उत्तररामचरितम् में अंगी रस कौनसा है?

(5) अद्‌भुत रस कितने भेद हैं? नाम बताइये।

(6) "गानं पञ्चविधं ज्ञेयं" कौन–कौन से नाम हैं, बताइये।

(7) आचार्य धनञ्जय के अनुसार नाट्य किसे कहते है?

(8) नायिका के कितने प्रकार हैं? नाम बताइये।

(9) महाकवि भास के महाभारत उपजीव्य आधारित नाटकों के नाम बताइये।

(10) कर्पूरमञ्जरी नाटिका में कितने अंक हैं? इसके रचनाकार का नाम बताइये।

खण्ड– ब

इकाई – I

प्र.2 सप्रसंग व्याख्या कीजिये–

बज्रादपि काठोराणि मृदूनि कुसुमादपि।

लोकोत्तराणां चेतांसि को नु विज्ञातुमर्हति।।

अथवा

अन्तःकरणतत्त्वस्य,दमपत्योः स्नेहसंश्रयात्।

आनन्दग्रन्थिरेकोऽयमपत्यमिति पठ्यते।।

इकाई – II

प्र.3 सप्रसंग व्याख्या कीजिये–

शिशुर्वा शिष्य वा यदसि मम तित्तष्ठतु तथा,

विशुद्धेरुत्कर्षस्त्वयि तु मम भक्तिं द्रढयति।

शिशुत्वं स्त्रैणं वा भवतु ननु वन्द्यासि जगतां,

गुणाः पूजास्थानं गणिषु न च लिंग न च वयः।।

अथवा

विना सीतादेव्या किमिव हि न दुःखं रघुपतेः,

प्रियानाशे कृत्स्नं किल जगदररण्यं हि भवति।

स च स्नेहस्तावानयमपि वियोगो निरवधिः,

किमेवं त्वं पृच्छस्यनधिगतरामायण इव।।

इकाई – III

प्र.4 सप्रसंग व्याख्या कीजिये–

रसा भावा ह्यभिनया धर्मीवृत्तिप्रवृत्तयः।

सिद्धिः स्वरास्तथातोद्यं गानं रंगश्च संग्रहः।।

अथवा

व्याजाच्चैवापराधाच्च वित्रासितकमेव च।

पुनर्भयानकश्चैव विद्यात् त्रिविधमेव हि।।

इकाई – IV

प्र.5 सप्रसंग व्याख्या कीजिये–

अर्थोपक्षेपकैः सूच्यं पञ्चभिः प्रतिपादयेत्।

विष्कभचूलिकांकास्यांकावतारप्रवेशकैः।।

अथवा

यौवनान्धा स्मरोन्मत्ता प्रगल्भा दयितांगके।

विलीयमानेबानन्दाद्रतारम्भेऽप्चेतना।।

इकाई – V

प्र.6 नागानन्द नाटक का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' नाटक का सामान्य परिचय दीजिए।

खण्ड– स

प्र.7 उत्तररामचरितम् के नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए।

प्र.8 'उत्तरेरामचरिते भवभूतिर्विशिष्यते' को सोदाहरण सिद्ध कीजिए।

प्र.9 भरतमुनि के रससूत्र की आचार्य भट्टनायक मत में व्याख्या कीजिए।

प्र.10 "अर्थप्रकृतयः पञ्च" पांच अर्थप्रकृतियों का विवेचन कीजिए।

प्र.11 महाकवि भास के रूपकों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।